

१. कुत्ते की सीख

प्रस्तावना

* यह कविता के कवि हैं **रामधारी सिंहजी**, जो 'दिनकर' के नाम से भी प्रचलित हैं। यह कविता कुत्ते और खरहे यानि की जंगली खरगोश की कहानी है। कवि इस कथा में यह बताना चाहते हैं की छोटा या बड़ा, ताकतवर या कमजोर, जब अपने प्राणों पर आ जाते हैं, तब उनमें एक विशेष शक्ति का संचार होता है। ईश्वर ने ऐसी शक्ति सबको दी है। तो आइए हम इस कहानी को काव्य के माध्यम से पढ़ते हैं और जानते हैं की यह विशेष शक्ति का उपयोग कौन करता है, और कुत्ते ने क्या सीख दी है।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. सब की नजर बचाकर खरहा कहा रहता था ?

- (अ) अपने बिल में
- (ब) झाड़ के तन में
- (क) झाड़ी में
- (ड) जंगल में

२. खरहा क्यों भागा ?

- (अ) शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था ।
- (ब) खाना खत्म हो गया था उसकी तलाश में ।
- (क) लोमड़ी उसके पीछे भाग रही थी ।
- (ड) जंगल में आग लगी थी ।

३. कुत्ता खरहे को क्यों न पकड़ पाया ?

- (अ) कुत्ता खरहे के लिए भाग रहा था ।
- (ब) खरहा अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था ।
- (क) कुत्ते में खरहे को पकड़ने की शक्ति नहीं थी ।
- (ड) खरहा बड़ा चालाक था ।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. खरहा कहा रहता था ?

उत्तर : खरहा एक वन में घनी झाड़ियों में सबसे छिपकर रहता था ।

२. खरहा नींद से क्यों जागा ?

उत्तर : शिकारी कुत्ते की सांस की आवाज सुनकर खरहा नींद से जाग गया ।

३. कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ कहा और कब तक चली ?

उत्तर : खुले खेत में चार मिनट तक कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ चली ।

४. लोमड़ी क्या देख रही थी ?

उत्तर : लोमड़ी किनारे खड़ी कुत्ते और खरहे के बीच हुई लड़ाई देख रही थी ।

५. रोटी कमाने के विषय में शास्त्रों में क्या बताया है ? इस काव्य के आधार पर बताईए ?

उत्तर : रोटी कमाने के विषय में शास्त्रों में बताया है कि हमें अपनी रोटी अपनी जान बचाकर कमाना चाहिए ।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. खरहा कहा और कैसे रहता था ?

उत्तर : खरहा एक वन की घनी झाड़ियों में रहता था । और दूर से कोई आते हुए नजर आता तो वह अपनी झाड़ी में छिप जाता था ।

२. खरहा झाड़ी से क्यों भागा ?

उत्तर : एक दिन एक शिकारी कुत्ता अपने शिकार की खोज में झाड़ी – झाड़ी सूंघने लगा । सुघते - सुघते वह उस खरगोश वाली झाड़ी तक आ गया । जैसे ही कुत्ता झाड़ी के नजदीक आया तो उसकी साँसों की आवाज से खरहे की नींद खुल गई और वह अपनी जान बचाने के लिए भागा ।

३. कुत्ता निराश क्यों हो गया ?

उत्तर : चार मिनट तक कुत्ते और खरगोश की दौड़ चली । इतने में सामने कांटों से भरी एक घनी झाड़ी आ गई । खरगोश छलांग लगाकर उस घनी झाड़ी में घुस गया । लेकिन कुत्ता उस झाड़ी में घुस नहीं सका । और ईधर – उधर सूंघने लगा लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा । इसलिए वह निराश हो गया ।

४. इस घटना को देखनेवाली लोमड़ी ने कुत्ते से क्या कहा ?

उत्तर : इस घटना को देखनेवाली लोमड़ी ने कुत्ते को निराश देखकर कहा ये क्या कुत्ते मामा ? आप मामुली खरगोश से हार गये ? इतना बड़ा शरीर होने के बावजूद इस छोटे जीवजन्तु को नहीं पकड़ पाते ?

५. कुत्ते ने लोमड़ी को क्या उत्तर दिया ?

उत्तर : लोमड़ी के कहने पर कुत्ते ने हसकर जवाब दिया कि तू पगली है । मे तो उस खरहे के पीछे अपना एक दिन का भोजन पाने के लिए दौड़ रहा था । परन्तु वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था । इसलिए मे उसे पकड़ नहीं पाया ।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के चार पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. ' कुत्ते की सीख ' काव्य में क्या बोध मिलता है ?

उत्तर : इस काव्य के अंत में खरगोश एक कांटों से भरी झाड़ी में घुस गया और कुत्ता उसके पीछे नहीं कूदा क्योंकि शास्त्रों के अनुसार हमें अपनी रोटि अपनी जान बचाकर कमाना चाहिए पर जब बात प्राणों की हो तब हमें अपनी सारी शक्ति का प्रयोग कर अपनी जान बचानी चाहिए । कुत्ते को भोजन चाहिए था पर उसके लिए उसने कांटों भरी झाड़ी में कूदना सही नहीं समझा । लेकिन खरगोश को तो किसी भी हालत में अपने प्राणों की रक्षा करनी थी । इसलिए उसने कांटों से भरी झाड़ियों में छलांग लगा दी और अपने प्राणों की रक्षा की । इस काव्य से हमें बोध मिलता है कि छोटा या बड़ा, ताकतवर या कमजोर जब अपने प्राणों पर आ जाते हैं, तब उनमें विशेष शक्ति का संचार होता है । और उस शक्ति का प्रयोग कर हमें अपने प्राण बचाने चाहिए ।

२. कुत्ते कि सिख को कहानी के रूप में लिखे ।

उत्तर : एक वन था जिसकी घनी झाड़ियों में एक जंगली खरगोश सबसे छिपकर रहता था । वह कोमल घास खाता और कोई दुसरा वहाँ आ जाए तो वह झाड़ी में छिप जाता । एक दिन एक शिकारी कुत्ता खाने की खोज में झाड़ियों छानने लगा । छानते – छानते कुत्ता खरगोश वाली झाड़ी तक आ गया । लेकिन उसकी साँसों की आवाज से खरहे की नींद खुल गई और वह जान बचाने के लिए भागा । कुत्ता खरहे के पीछे भागने लगा । खरहे के सामने कांटों से भरी एक झाड़ी आ गई और वह छलांग लगाकर उसमें घुस गया । कुत्ता कुछ न पाकर निराश हो गया । यह सारी घटना एक लोमड़ी देख रही थी । उसने कुत्ते से कहा ईतना बड़ा शरीर होते हुए आप एक मामूली खरगोश से हार गये । उसके जवाब में कुत्ते ने कहा कि इसके पीछे का राज तू नहीं जानती । क्योंकि मे तो उस खरगोश के पीछे अपना भोजन पाने के लिए भाग रहा था । परन्तु वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था । हमारे शास्त्रों के अनुसार हमें अपना भोजन जान बचाकर कमाना चाहिए और जब प्राणों की बात हो तो अपनी सारी शक्ति लगाकर प्राण बचाने चाहिए । मे अपने भोजन के लिए झाड़ी में नहीं कूदा । लेकिन खरगोश को तो जान बचानी थी इसलिए उसने उसमें छलांग लगा दी ।

५. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

कहते हैं सब शास्त्र कमाओ, रोटी जान बचाकर, पर संकट में प्राण बचाओ, सारी शक्ति लगाकर ।

उत्तर : इस पंक्ति में कवि ने कहा है कि शास्त्रों के अनुसार हमें अपनी रोटी अपनी जान बचाकर कमाना चाहिए पर जब बात प्राणों की हो तब हमें अपनी सारी शक्ति का प्रयोग कर अपनी जान बचानी चाहिए ।

६. निम्नलिखित के पर्यायवाची शब्द दीजिए :

खरहा	-	खरगोश
झुरमुट	-	झाड़ी
शिकारी	-	आखेटक
कंटीली	-	काँटेदार
बीहड़	-	भयानक
देह	-	शरीर
दीवानी	-	पगली
शक्ति	-	ताकत

७. निम्नलिखित के विरोधी शब्द दीजिए :

दूर	×	निकट
आखिर	×	पहला
पीछे	×	आगे
निराश	×	आशावान
मोटी	×	पतली
कमाना	×	खर्चना